Literacy for a Billion

Movie: Vivah
Year: 2006

Song: Do anjane ajnabi
Lyricist: Ravindra Jain

दो अनजाने अजनबी
चले बाँधने बंधन
हाय रे दिल में है ये उलझन
मिलकर क्या बोले
क्या बोले क्या बोले
रे मिलकर क्या बोले
नई उमंग नई खुशी
महक उठा है आँगन
हाय रे घर आए मनभावन
मिलकर क्या बोले
क्या बोले क्या बोले
रे मिलकर क्या बोले
बेचैनी बेताबी आज मुझे ये कैसी
आज है जो पहले न थी
दिल की हालत ऐसी
ओ आँखो को उसी का इंतजार है
उन्हीं के लिए ये रूप ये शृंगार है
देखी है तस्वीर ही
हो...

आज मिलेंगे दर्शन
हाय रे बढ़ने लगी है उलझन
मिलकर क्या बोले
क्या बोले क्या बोले
रे मिलकर क्या बोले

रूप की रानी आई है
जैसे गगन से उतरके
मेरे लिए क्या मेरे लिए
ऐसे सजके सँवरके
हो सबसे छुपाके इधर उधर से
मुझको ही देखे चोर नज़र से
बात लबों पर है रूकी
तेज दिलों की धड़कन
हाय रे कल के सजनी साजन
मिलकर क्या बोले
क्या बोले क्या बोले
रे मिलकर क्या बोले

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.